[श्री ईश दत्त यादव]

लोग जो स्वावलंबी हैं, जिनका एकमात्र साधन खादी संस्था है, उनका भविष्य अनिश्चित है कि कब इन संस्थाओं के अधिकारी लोग उनकी सेवाओं को समाप्त कर दें।

Undue prominence given by Jalandhar Kendra of Doordarshan to statements of some individuals describing recent self-surrender by a top militant in Punjab as stage-masagel

श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) : वाइस चेयरमैन साहब, पांच दरियाओं की धरती पंजाब में खून और खौफ का एक छठा दरिया बारह साल से बह रहा है। हजारों बेगुनाह और मासूम कत्ल हो चुके हैं। सात साल की अफसरशाही के राज के बाद पंजाब में चुनाव हुए और वहां अवाम की हुकूमत कायम हुई है। इस हुकूमत ने वहां के वजीरे आला सरदार बेअंत सिंह की रहनुमाई और केंद्र सरकार की मदद से आतंकवाद और अलहदगीपन्न के खिलाफ एक मुल्लजम और डिटरमिंड लड़ाई शुरू की है। हालत ये थे कि सारे पंजाब में, मैं एक जिले की बात नहीं करता, बार्डर डिस्ट्रिक्ट की बात नहीं करता, हालात इस हद तक पहुंच चुके थे कि मैं अगर यह कहूं तो गलत नहीं होगा कि पंजाब सरकार का जो सेक्रेटेरिएट है चंडीगढ़ में, उस सेक्रेटेरियेट में भी मिलिटेंटों की रिट चलती थी। मिलिटेंट आते थे और वह कहते थे कि इस अफसर की तब्दीली यहां होनी चाहिए और वह तब्दीली वहां होती थी। ऐसे हालात पंजाब में हो चुके थे लेकिन पापुलर सरकार आने के बाद सरदार बेअंत सिंह ने एक ऐसे फैसलाकान और ऐसे पक्के इरादे से जुल्म, तशद्दुत जब्र और बेगुनाहों के खून हो रहे आतंकवाद और अलहदगी के खिलाफ ऐसी लड़ाई लड़ी जिसके चार महीने बाद रिजल्ट हमारे सामने आ रहे हैं। आज हालत यह है कि जो आतंकवादी एक एक हजार कत्ल कर चुके थे, जिनको कोई पूछने वाला नहीं था वह आज एक एक करके मारे जा रहे हैं और जो बेगुनाहों को मारने वाले थे उनके हौसले आज टूट रहे हैं और पुलिस, सीक्युरिटी फोर्स के हौसले इतने बुलंद हैं कि वह इस बात का दावा करते हैं कि अगर हम पूरे तौर पर आतंकवाद खत्म नहीं कर पाए तो भी अगले दो महीनों में हम ऐसी सिचुएशन पैदा कर देंगे कि सारे पंजाब में लोग आम दिनों की तरह रह सकेंगे। लेकिन इन हालात में जो पैदा किए वहां की सरकार ने, प्रेशर बिल्ट किया, हर जिले में सेल बनाए, पुलिस के अफसरों को कहा गया है कि उनको सब का पता है कि किस जिले में कौन सा गैंग काम करता है, लेकिन उनका कोई इलाज नहीं करता था, जब उनका कोई पूछने वाला आया, पोलिटिकल विल आई कि इस मीनेस को खत्म करना है तो उन्हीं अफसरों ने ऐसा प्रेशर बनाया। उसके साथ-साथ पंजाब की सरकार ने सरदार बेअंत सिंह की रहनुमाई में, उनके वजीरों ने गांव-गांव में जाकर लोगों को मुनज्जमत किया, उनको आगाह किया कि जुल्म करना ही नहीं जुल्म सहना भी गुनाह है और जब तक लोगों की जनशक्ति सरकार के पीछे खड़ी नहीं होती और पंजाब में अविवाद और अलहदगी के खिलाफ खड़ी नहीं होती तो उनका मुकाबला नहीं किया जा सकता। ऐसी सिच्युएशन पैदा करदी कि लोगों की जनशक्ति सरकार के पीछे खड़ी हो गई और सरकार के अफसर, सेक्योरिटी फोर्सेज भी इस बात का पक्का अहद कर लिया कि एनफ इज एनफ, इस बात को हमें खत्म करना है। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि जिस बात पर मैं आना चाहता हूं वह यह है अवामी राज के चार महीनों के बाद आज सिच्युएशन यह पैदा हो गई है कि पंजाब के लोगों में एतमाद, खुद एतमादी है और सेक्योरिटी फोर्सेज बढ़-चढ़ कर आतंकवाद का सफाया कर रही है और जो आतंकवादी हैं वे आज हथियार छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। पंजाब सरकार ने ऐसी सिच्युएशन पैदा कर दी है। 12 साल के बाद इस घल्लूघारे के बाद, इस खून और आग के दरिया के बाद चार महीने में यह नया मोड़ देना, यह नयी टर्न देना कोई मामूली बात नहीं है। यह हालात इस बात का तकाजा करते हैं कि जो

देश को बचाना चाहते हैं उन लोगों को इस सरकार की और इस तहरीक की भरपूर हिमायत करनी चाहिए। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं पंजाब में कि 12 अगस्त को बहुत बड़ी तादाद में आतंकवादियों ने तरनतारन में हथियार डाले। चंडीगढ़ में भी चीफ मिनिस्टर के सामने एक बहुत बड़े आतंकवादी ने हथियार डाले। तरनतारन में 72 आतंकवादियों ने हथियार डाले।

जिस बात की तरफ मैं आपकी तवज्जो दिलाना चाहता हूं वह यह है कि जिस दूरदर्शन को इस चीज को मैगनीफाई करना चाहिए था, इस चीज को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करना चाहिए था क्योंकि लोग इस बात से मुतासिर हों कि आज आतंकवादियों के हौसले पस्त हो चुके हैं उन्होंने इसको बढ़ा-चढ़ा कर करने के बजाय 14 अगस्त को जो दूरदर्शन का बुलेटिन जालंधर केंद्र से पंजाबी में साढ़े सात बजे आता है उस बुलेटिन में इस सरेंडर का मजाक उड़ाया गया और उन लोगों का बयान बढ़ा चढ़ा कर सुनाया गया जिनका पंजाब की सियासत में कोई दर्जा नहीं है। उनको ऐसे पेश किया गया जैसे कि ये सरेंडर स्टेज मैनेज्ड हो। मुझे मीडिया की आजादी का ख्याल है लेकिन जब देश की आजादी का सवाल हो तो मीडिया की आजादी दूसरे नम्बर पर होनी चाहिए। मैं आपको यकीन के साथ कहना चाहता हूं कि जिन मिलिटेंस। ने सरेंडर किया है वे बड़े मिलिटेंट्स हैं। इस सरेंडर की जिन लोगों का नाम लेकर दूरदर्शन ने मैगनीफाई करने की बजाय इस इवेन्ट को कम करने की कोशिश की उसने नेशनल इंटरेस्ट को बिल्कुल सामने नहीं रखा। इसके अलावा जब 12 तारीख को यह सरेंडर हुआ तो पंजाब गवर्नमेंट ने दूरदर्शन को उसका वीडियो भेजा, चंडीगढ़ में जो मिलिटेंट्स ने सरेंडर किया था और तरन-तारन में सरेंडर किया था। लेकिन दिल्ली में हमारा जो पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट है उसने दूरदर्शन को यह सारा रिकार्ड, न्यूज रिपोर्ट, उसकी विजुअल रिपोर्ट, वीडियो रिपोर्ट समय पर दे दी लेकिन किस तरीके से इसको पेश किया गया यह आप को बताना चाहता हूं। 8.40 के बुलेटिन में जो न्यूज दी गई वह चंडीगढ़ की दी गई लेकिन जो विजुअल रिकार्डिंग दिखाई गई वह तरनतारन की दिखाई गई। बजाय इस सरेंडर को एक अच्छे ढंग से पुट करके लोगों में हौसले पैदा करने बल्कि एक कैजुअल तरीके से उसको दिखाया गया, जैसा मैंने अभी आप से जिक्र किया कि खबरें कहीं की और विजुअल कहीं का। इससे दूरदर्शन ने कोई कौम की सेवा नहीं की। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अर्ज कहना चाहता हूं कि मीडिया का इस्तेमाल इस देश की इंटेग्रिटी के लिए जो पंजाब में लड़ाई लड़ी जा रही है इसको बेहतर तरीके से पेश करने के लिए होना चाहिए।

Need to Expedite Construction of Railway Underbridge at Etawah (U.P.)

श्री राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, मैं आपके माध्यम से केंद्रीय सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के लोगों की एक गम्भीर समस्या की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं।

मान्यवर, इसके पहले जब माननीय चन्द्रशेखर जी की सरकार थी तो तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री श्री जनेश्वर जी ने एक रेलवे अन्डर ब्रिज का शिलान्यास इटावा में किया था और वह इतना अवश्यक था कि बहुत लम्बे अर्से से... (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, Shrimati Alva was to respond to the issue of Mr. Win Chandha which we had raised yesterday. I would like to know in what manner and at what time this response will come forth.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): You take your seat. I cannot dictate to her. She is present here. You have already made this point several times and she is here. I do not want to say anything more.